

09.02.18

वकील प्रार्थी उपे। ऊपार्थी की ऊरले श्री राजेश मित्रल
नव. उप. आय। वदल प्रा.पत्र वाजदायरी खुनी गई।
प्रा.पत्र वाजदायरी स्वीकार किया जाता है। प्रा.पत्र
अन्तर्गत धारा 21 कथयुक्त एवं सम्भोगा ऊधियेया
सि. पुनः गवर परलिया जाता है। प्रा.पत्र ऊर्ज शपेऊर
किया जाई। पत्रावली ऊसल ऊुऊर हाकर वाद वऊनील
जाव्वा दाखिल कफ्तर है।

संभागीय आयुक्त
भरतपुर संभाग, भरतपुर

17/2/18
17/2/18
17/2/18